



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 22, 1981/माघ 2, 1902

No. 37]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 22, 1981/MAGHA 2, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

आयकर

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1981

का० आ० 47 (अ) — केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् —

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (द्वितीय संशोधन) नियम, 1981 है।

2. आयकर नियम, 1962 के परिशिष्ट II में—

(क) प्ररूप 34 क में, मद 17 के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तर्स्थापित की जाएगी, अर्थात् —

“18 यदि आदेशक ने किसी वित्तीय वर्ष में कोई अन्य सम्पत्ति अन्तर्लिखित की है तो ऐसी प्रत्येक सम्पत्ति का निम्नलिखित विनिर्दिष्ट और रजिस्ट्रीकृत अन्तरण विवेक के विवरण दिए जाने चाहिए,

(i) सम्पत्ति की विनिर्दिष्टता, अर्थात् इसकी प्रकृति, विस्तार, अवस्थान और क्षेत्रफल,

(ii) अन्तरणीय समुद्देशिता का नाम और पता,

(iii) अन्तरण विवेक में शोधित प्रतिफल,

(iv) वह तारीख जिसको अन्तरण विवेक रजिस्टर किया गया था और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का पद नाम और पता”

(1) प्ररूप सं० 37 ज में,

(1) स्तम्भ 5 के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तर्स्थापित किए जाएंगे —

“आयकर अधिनियम, 1961 की आयकर समाशोधन प्रमाणपत्र से धारा 230 क के अधीन आय- प्रतिफल शोधित कर समाशोधन प्रमाणपत्र देने वाले आयकर अधिकारी का पद नाम और पता प्रमाणपत्र की तारीख सहित

6

7

”;

(2) टिप्पण में,

द्वितीय टिप्पण के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पण अन्तर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“तब भरा जाएगा जब कि अन्तरण विवेक में शोधित प्रतिफल 50,000 रु० में अधिक है।”

[सं० 3814/का० सं० 155(12)/79-टी०पी० एल०]

एम०एन० शेट्टी, सचिव, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

MINISTRY OF FINANCE

(Central Board of Direct Taxes)

NOTIFICATION

INCOME-TAX

New Delhi, the 22nd January, 1981

S.O. 47(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules 1962 namely

1 These rules may be called the Income tax (Second Amendment) Rules 1981

2 In the Income-tax Rules 1962 in Appendix II —

(a) in Form No. 34A after item 17 the following item shall be inserted, namely

“18 In case the applicant has transferred any other property in the financial year the following particulars of each such property and details of the transfer deed registered should be furnished

(i) Particulars of property i.e. its nature, extent, location and area,

(ii) name and address of transferee or assignee,

(iii) consideration stated in the instrument of transfer

(iv) date when the transfer deed was registered and designation and address of the registering officer

(b) in Form No. 37H,—

(i) after column 5, the following columns shall be inserted, namely

*Designation and address of Consideration mentioned in the the Income-tax Officer granting Income-tax Clearance Certificate under Sec. 230A of the Income tax Act 1961 with the date of certificate

6

7

(ii) in the Notes,

after second note, the following note shall be inserted, namely —

*to be filled in only if the consideration stated in the instrument of transfer exceeds Rs. 50,000”

[No. 3814/F No. 155(12)/79-TPL]

S N SHENDE, Secy, Central Board of Direct Taxes